दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, रविवार 22 अगस्त 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 322

पुलवामा में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में जैश के 3 और आतंकी मार गिराये

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा में नागबेरियन त्राल के वन क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में शनिवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए हैं। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर जिले के त्राल में जंगल के ऊंचाई वाले इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

जानकारी के अनुसार, अवंतीपोरा के नागबेरन त्राल के वन इलाके के ऊपरी इलाकों में यह मुठभेड़ चल रही थी। दरअसल, खुफिया एजेंसियों को सूचना मिली थी कि वन इलाके में कुछ आतंकी छिपे हैं। सूचना मिलते ही जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना के जवानों ने इलाके को घेर लिया। आतंकियों ने खुद को घिरा देख सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को समर्पण के लिए कहा, लेकिन आतंकी नहीं माने। आतंकी लगातार सुरक्षाबलों पर फायरिंग करते रहे। इस पर सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े तीन आतंकियों का खात्मा कर दिया।

बता दें कि इससे पहले दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले के ख्रीव में सुरक्षाबलों ने गुरुवार को रातभर चली मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के दो आतंकियों को मार गिराया। मारे गए आतंकी हिजबुल के हिट स्क्वायड के सदस्य थे जो इलाके में नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार थे।

दोनों आतंकी कई नागरिक हत्याओं में शामिल थे। इनसे एक एके 47 राइफल, एक पिस्टल तथा अन्य

आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद की गई हैं। सुरक्षाबलों का मानना है कि इनके मारे जाने से इलाके में नागरिकों के उत्पीड़न में कमी आएगी।

सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि वीरवार की देर रात पुलिस ने ख्रीव में दो आतंकियों की मौजूदगी की सूचना दी। इस पर 50 राष्ट्रीय राइफल्स, पुलिस व 185 बटालियन सीआरपीएफ ने रात के एक बजे गांव की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। घेरा सख्त होता देख मकान में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी।

हालांकि, सुरक्षाबलों ने संयम बरता। उन्होंने तत्काल उस मकान और आस-पास के इलाके को खाली कराया जहां आतंकी छिपे थे ताकि वे क्रास फायरिंग की चपेट में न आएं। इसके बाद कई बार आतंकियों को समर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

रुक रुककर रातभर फायरिंग होती रही। सुबह साढ़े छह बजे एक आतंकी ने फायरिंग करते हुए सुरक्षा घेरा तोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन उसे मार गिराया गया। इसके बाद भी दूसरा आतंकी लगातार फायरिंग करता रहा, जिसे सुबह सवा नौ बजे मार गिराया गया। आईजी विजय कुमार ने बताया कि मारे गए दोनों आतंकी हिजबुल के हिट स्क्वायड के सदस्य थे। यह स्क्वायड दक्षिण कश्मीर में नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार है।

देश में कोविड-19 के 34457 नये मामले, 375 लोगों की मौत

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस से संक्रमण के 34,457 नए मामले सामने आए और 375 मरीजों की मौत हुई। इसी के साथ देश में कुल संक्रमितों की संख्या 3,23,93,286 हो गई है। इनमें से 4,33,964 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। सक्रिय मामलों की संख्या कम होकर 3,61,340 हो गई है। देश में पिछले दो महीने से दैनिक मामले लगभग स्थिर हो गए हैं और ये एक चिंता का विषय है।

कोरोना वायरस के संक्रमण को हराकर ठीक होने वालों की बात करें तो पिछले 24 घंटे में देशभर में 36,347 मरीज ठीक हुए। इसी के साथ महामारी को हराकर ठीक होने वाले मरीजों की कुल संख्या 3,15,97,982 हो गई है। देश की रिकवरी रेट 97.54 प्रतिशत है। इसके अलावा पिछले 24 घंटे में देशभर में 17,21,205 टेस्ट किए गए। महामारी की शुरुआत से अब तक देश में लगभग 50.45 करोड़ कोरोना वायरस टेस्ट किए जा चुके हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों पर नजर डालें तो महाराष्ट्र में अब तक 64,15,935 लोगों को संक्रमित पाया जा चुका है और 1,35,672 लोगों की मौत हुई है। दूसरे सर्वाधिक प्रभावित राज्य केरल में अब तक 37,86,797 लोगों को संक्रमित पाया गया है और 19,345 मौतें हुई हैं। इसी तरह 29,36,077 मामलों और 37,105 मौतों के साथ कर्नाटक और 25,97,603 मामलों और 34,673 मौतों के साथ तमिलनाडु अगले दो सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं।

नए मामलों की बात करें तो महाराष्ट्र में बीते दिन 4,365 लोगों को संक्रमित पाया गया, वहीं 105 मरीजों की मौत हुई। राज्य में कुछ महीनों से संक्रमण की रफ्तार काबू में नजर आ रही है। इसी तरह केरल में 20,224 लोगों को संक्रमित पाया गया और 99 मरीजों की मौत हुई, वहीं कर्नाटक में 1,453 मामले सामने आए और 17 मौतें हुईं। तमिलनाडु में 1,668 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई और 24 मरीजों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

महत्वपूर्ण एवं खास

बिजली की बाड़े में करंट लगने से दो हथिनियों की मौत

गुवाहाटी (आरएनएस)। असम के बाक्सा जिले में भूटान सीमा के समीप गैरकानूनी तरीके से लगी बिजली की बाड़ों की चपेट में आने से दो हथिनियों की मौत हो गयी। वन विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि यह घटना बताबरी वन क्षेत्र के समीप कोरोइबाड़ी इलाके में हुई। दोनों वयस्क हथिनी भोजन की तलाश में भूटान पर्वतीय क्षेत्र से आयी थीं। उन्होंने बताया कि रेशन दाइमरी नाम के व्यक्ति ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। उसने अपनी फसलों की कथित तौर पर रक्षा करने के लिए बिजली की बाड़ें लगायी थीं। घटना की जांच चल रही है। अधिकारी ने बताया, ''दाइमरी को हिरासत में लिया जाएगा और उस पर वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।'' उन्होंने बताया कि इस साल करंट लगने से हाथियों की मौत की यह तीसरी घटना है। गैरकानूनी तरीके से लगाई गई बिजली की बाड़ के चपेट में आने से अभी तक 13 हाथियों की मौत हो चुकी है।

सोशल मीडिया पर तालिबान का समर्थन करने के मामले में असम में 14 गिरफ्तार

गुवाहाटी (आरएनएस)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे का सोशल मीडिया पर कथित तौर पर समर्थन करने के मामले में असम में 14 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये गिरफ्तारी शुक्रवार रात से की गई और इन पर गैरकानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम, आईटी अधिनियम और सीआरपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने कहा, 'हम सतर्क हैं और आपत्तिजनक पोस्ट के लिए सोशल मीडिया पर निगरानी कर रहे हैं।' कामरूप मेट्रोपॉलिटन, बारपेटा, धुबरी और करीमगंज जिलों से दो-दो लोगों की गिरफ्तारी हुई। वहीं दरांग, काचर, हैलाकांडी, दक्षिण सलमारा, गोलपारा और होजाई जिलों से एक-एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। उप महानिरीक्षक वायलेट बरुआ ने कहा कि असम पुलिस सोशल मीडिया पर तालिबान के समर्थन में टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने ट्वीट किया, 'हम इस तरह के लोगों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर रहे हैं। अगर आपकी नजर में कोई ऐसी चीज आती है तो कृपया पुलिस से संपर्क करें।

केंद्रीय गृह सचिव ने आजादी का अमृत महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह सचिव ने 15 अगस्त, 2023 को समाप्त होने वाले आजादी का अमृत महोत्सव मनाने से जुड़ी केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज एक बैठक की। बैठक के दौरान, केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों/ प्रशासकों के सलाहकारों ने संबंधित केंद्रशासित प्रदेश की संस्कृति, परम्परा और विरासत को रेखांकित करते हुए भारत के स्वाधीनता संग्राम की विषय वस्तु के इर्द-गिर्द एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम का विवरण साझा किया। इस कार्यक्रम को भव्य आयोजन बनाने के क्रम में हुई बैठक के प्रतिभागियों ने कई नए विचार सामने रखे। केंद्रीय गृह सचिव ने कार्यक्रम की विशिष्टता, स्वाधीनता संग्राम/ स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ाव, कार्यक्रम की योजना में उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया और कहा कि सभी कार्यक्रमों में जनता की व्यापक भागीदारी होनी चाहिए। केंद्रीय गृह सचिव ने सभी केंद्रशासित प्रदेशों से गृह मंत्रालय के कार्यक्रमों के कैलेंडर में समावेशन के लिए कार्यक्रम को ठोस आकार देने का अनुरोध किया। इससे पहले, केंद्रीय गृह सचिव ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए गृह मंत्रालय के सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम पर विचार विमर्श के लिए सीएपीएफ के डीएसजी, लैंड पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण) के चेयरमैन और गृह मंत्रालय के तहत आने वाले अन्य संगठनों के प्रमुखों के साथ 19 अगस्त, 2021 को हुई एक बैठक की अध्यक्षता की थी।

दिल्ली- एनसीआर में भारी बारिश से कई इलाकों में जलभराव

» मिंटो ब्रिज- मूलचंद अंडरपास समेत कई जगह ट्रैफिक बंद

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में शुक्रवार रात से हो रही भारी बारिश के चलते आईटीओ, राजघाट, धौलाकुआं, मिंटो ब्रिज, आजाद मार्केट, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत कई जगहों पर निचले इलाकों में जलभराव हो गया। सभी जगह अंडरपासों में पानी भर गया है। जलभराव की वजह से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों को ट्विटर के जरिए इस बारे में सूचना दी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों ने कहा कि उनके कर्मी जलभराव की समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझा रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस ने कई ट्वीट किए जिनमें कहा कि मिंटो ब्रिज पर जलभराव के कारण यातायात बंद किया गया है, कृपया यहां जाने से बचें। इसमें आगे कहा गया कि जलभराव के कारण मूलचंद अंडरपास पर यातायात प्रभावित है। आजाद मार्केट अंडरपास को 1.5 फुट जलभराव के कारण बंद किया गया है। भारी बारिश के कारण आईटीओ पर जलभराव की वजह से लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है। लक्ष्मी नगर से आईटीओ पहुंचने में एक घंटा लग रहा है। वहीं भारी बारिश के कारण पुल प्रह्लादपुर अंडरपास, लाजपतनगर, जंगपुरा, आईटीओ, प्रगति मैदान, संगम विहार, रोहतक रोड, मंगोलपुरी, किराड़ी और मालवीय नगर में भी सड़कों पर जलभराव की समस्या हुई।

12 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों के लिए पहली वैक्सीन को मिली मंजूरी

नईदिल्ली (आरएनएस)। गुजरात स्थित फार्मा कंपनी जायडस-कैडिला की तीन खुराक वाली कोरोना वायरस वैक्सीन को भारत में 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों और व्यस्कों पर आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई है। भारत में 18 साल से कम आयुवर्ग पर इस्तेमाल के लिए मंजूरी पाने वाली यह पहली वैक्सीन है। प्लास्मिड डीएनए प्लेटफॉर्म पर बनी यह दुनिया की पहली कोरोना वायरस वैक्सीन है, जिसे इस्तेमाल की मंजूरी मिली है। इस वैक्सीन को जायकोव-डी नाम से जाना जाएगा।

इस वैक्सीन को कंपनी ने भारत सरकार के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के साथ मिलकर तैयार किया है और यह तीसरे चरण के ट्रायल में 66.66 प्रतिशत प्रभावी पाई गई थी। इस वैक्सीन को 12-18 साल के उम्रवर्ग पर भी इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई है, लेकिन यह पूरी तरह से सरकार पर निर्भर करता है कि वह इस आयुवर्ग का वैक्सीनेशन कब शुरू करती है। उम्मीद की जा रही है अक्टूबर तक यह वैक्सीन इस्तेमाल के लिए उपलब्ध हो सकती है।

शरीर के अंदर जाने पर

जायकोव-डी कोरोना जैसी स्पाइक प्रोटीन बनाएगी, जिन्हें पहचान कर इम्यून सिस्टम एंटीबॉडीज बनाना शुरू कर देगा। इन्हें वेरिएंट्स के हिसाब से बदला जा सकता है। डीएनए प्लेटफॉर्म पर आधारित होने के कारण इस वैक्सीन को स्टोरेज के लिए बहुत ठंडे तापमान की जरूरत नहीं होती और इसकी लागत भी कम है। इसके अलावा इसके उत्पादन के लिए कोवैक्सिन और दूसरी वैक्सीनों की तरह अति उच्च जैव सुरक्षा वाले संयंत्र की जरूरत नहीं होती।

जायडस कैडिला वैक्सीन की एक और खास बात यह है कि इसे लगाने के लिए सुई वाले इंजेक्शन की जरूरत नहीं होगी। यह इंट्राडर्मल इंजेक्शन होगा, जिसे लगाना आसान होता है। बता दें कि इंट्राडर्मल इंजेक्शन वो होते हैं, जो मांसपेशियों की बजाय त्वचा में लगाए जाते हैं। इस वजह से वैक्सीन लगवाते समय होने वाला दर्द भी कम हो जाता है।

नौकरी गंवाने वाले लोगों को भी 2022 तक मिलेगा पीएफ का पैसा

» केंद्र सरकार ने दी बड़ी खुशखबरी

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना महामारी के कारण नौकरी गंवाने वालों के लिए राहत भरी खबर है। लॉकडाउन के दौरान नौकरी गंवाने वाले लोगों को भी सरकार वर्ष 2022 तक पीएफ का पैसा देगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जिन लोगों ने कोरोना महामारी के दौरान अपनी नौकरी गंवाई है, उन सभी लोगों के ईपीएफओ अकाउंट में सरकार 2022 तक पीएफ का अंशदान जमा करेगी।

वित्त मंत्रालय ने साफ किया है कि वैसे सभी लोगों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा, जिन लोगों का ईपीएफओ में रजिस्ट्रेशन होगा। नौकरी गंवाने वाले लोगों के पीएफ अकाउंट में केंद्र सरकार

इंप्लॉई के हिस्से का अंशदान तो करेगी ही, साथ ही इंप्लॉयर कंपनी की ओर से भी किया जाने वाला शेयर केंद्र सरकार ही भरेगी।

वर्ष 2022 तक पीएफ के अंशदान के लिए 2 बातें जरूरी है. पहला यूनिट का ईपीएफओ में रजिस्ट्रेशन और दूसरा इंप्लाई का वापस संगठित क्षेत्र में किसी काम पर वापस लौटना. इस बारे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि केंद्र सरकार वर्ष 2022 तक उन सभी लोगों के लिए नियोक्ता के साथ-साथ कर्मचारी के पीएफ हिस्से का भुगतान करेगी, जिन्होंने अपनी नौकरी खो दीं लेकिन बाद में उन्हें छोटे पैमाने पर ही सही, लेकिन औपचारिक क्षेत्र की नौकरियों में काम करने के लिए फिर से बुला लिया गया हो. उन्होंने स्पष्ट किया है कि इन यूनिट्स का ईपीएफओ में रजिस्ट्रेशन होने पर ही यह सुविधा दी जाएगी.

केंद्र सरकार ने आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना के तहत कर्मचारियों के लिए 30 जून 2021 तक के पीएफ अंशदान का भुगतान करने की घोषणा की थी. 30 जून को इसकी सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले ही यानी 29 जून को सरकार ने इस स्कीम की समयसीमा को 30 जून से बढ़ाकर अगले साल मार्च 2022 तक कर दी. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ही केंद्र सरकार की ओर से इसकी घोषणा की थी. यह स्कीम नौकरीपेशा लोगों के लिए है, लेकिन आज 21 अगस्त को वित्त मंत्री ने नौकरी गंवा चुके, लेकिन फिर से काम पर लौट चुके लोगों को भी इस स्कीम के तहत शामिल किए जाने की बात कही है.

बता दें कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना को पिछले साल दिसंबर में मंजूरी दी थी. इस योजना के तहत सरकार कर्मचारियों के अनिवार्य भविष्य निधि अंशदान का भुगतान करने के अलावा दो साल के लिए नई नियुक्तियों पर नियोक्ताओं के योगदान का भी भुगतान करती है. केंद्रीय मंत्रालय कोरोना महामारी के बीच देश में नई नियुक्तियों को प्रोत्साहन देने के लिए इस योजना की समयसीमा बढ़ने की तैयारी में था और ऐसा हुआ भी.

ऑक्सीजन की कमी से मरीजों की मौत मामले की जांच को एलजी ने किया नामंजूर

» सिसोदिया ने लगाए आरोप

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी से मरीजों की मौत के मामले की जांच के लिए दिल्ली सरकार ने एलजी अनिल बैजल को फाइल भेजी थी. इसे एलजी ने नामंजूर कर दिया है।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राष्ट्रीय राजधानी में ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई मौतों की जांच के लिए एक पैनल बनाने के दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को फिर से खारिज कर दिया है. हालांकि, उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने उपमुख्यमंत्री के बयान को 'भ्रामक' बताते हुए कहा कि मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन पहले ही किया जा चुका है।

दिल्ली में कोविड-19 प्रबंधन के लिए नोडल अधिकारी सिसोदिया ने कहा कि कोई भी इस बात से इनकार नहीं कर सकता है कि दिल्ली में अप्रैल और मई में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन संकट का सामना करना पड़ा था और ना ही इस बात से इनकार किया जा सकता कि राष्ट्रीय राजधानी में लोगों की मौत ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई।

काबुल से 85 भारतीयों को लेकर वायुसेना के सी-130जे विमान ने भरी उड़ान

» आज होगी वतन वापसी

नईदिल्ली (आरएनएस)। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद एयरपोर्ट के बाहर अराजक और हिंसक माहौल है और लोग सुरक्षित जगहों पर पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कई लोग देश छोड़कर बाहर जाने की कोशिश में लगे हैं। भारत ने शुक्रवार को कहा कि अफगानिस्तान के लोगों के साथ ऐतिहासिक जुड़ाव को देखते हुए वहां के नागरिक समाज के लोगों, विचारकों, महिला कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों और गैर सरकारी संगठन के कार्यकर्ताओं को वीजा देने में प्राथमिकता देगा। इसके अलावा

काबुल में फंसे भारतीयों को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए सभी योजनाओं पर काम चल रहा है।

इसी बीच भारतीय वायुसेना के एक सी-130जे परिवहन विमान ने शनिवार को 85 भारतीयों के साथ काबुल से उड़ान भरी। यह विमान ताजिकिस्तान में रिफ्यूलिंग के लिए रुका, जिसके बाद यह अगले कुछ घंटों में भारत पहुंचेगा। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय के अफसर काबुल से देश के नागरिकों को निकालने की कोशिश में जुटे हैं। इस बीच वायुसेना का एक सी-17 परिवहन एयरक्राफ्ट काबुल के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार है। सूत्रों के मुताबिक, इसके जरिए तालिबान के कब्जे के बाद जंग के हालात में उलझे अफगानिस्तान में फंसे भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाया जाएगा। रिपोर्ट्स की मानें तो जैसे ही पर्याप्त भारतीय नागरिक अफगान राजधानी के हवाई अड्डे पहुंचेंगे, वायुसेना का विमान काबुल रवाना हो जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि भारत अमेरिकी सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि भारतीय वायुसेना केपरिवहन एयरक्राफ्ट को काबुल तक पहुंचाया जा सके। सरकार को उम्मीद है कि इस सी-17 में 250 भारतीयों को निकाला जा सकता है। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उनमें से कितने हवाईअड्डे तक पहुंचने में सक्षम हैं, क्योंकि काबुल पर तालिबान का कब्जा है और हर चौकियों और चेकपॉइंट्स पर भी उसके लड़ाके नजर बनाए हुए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, काबुल के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट की उड़ान मुश्किल साबित हो रही है, इसलिए आईएएफ को स्टैंडबाय पर रखा गया है। माना जा रहा है कि फिलहाल अफगानिस्तान में 400 से ज्यादा भारतीय फंसे हुए हैं, जिन्हें वहां से बाहर निकालने की जरूरत है। हालांकि, सटीक आंकड़ा फिलहाल साफ नहीं हो पाया है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्रालय अफगान नागरिकों के वीजा आवेदनों का भी आकलन कर रहा है।

भारतीय मिशन के लोगों के एक और समूह को वायुसेनाके दूसरे सी-17 में सवार किया गया था। इसमें राजदूत रुद्रेंद्र टंडन सहित 120 से अधिक लोग शामिल थे। उन्हें मंगलवार सुबह सुरक्षित रूप से अफगान हवाई क्षेत्र से निकाला गया।